(c) what is Government's policy in making such appointments and whether it has undergone any change recently?

**The Deputy Minister of Railway (Shri Shahnawaz Khan)**: (a) The following posts fell vacant:

1. General Manager, Eastern Railway.
2. General Manager, South Eastern Railway.
3. General Manager, Southern Railway.
4. General Manager, Central Railway.
5. General Manager, Western Railway.
6. General Manager, & Chief Engineer Railway Electrification
7. Additional Member, Staff, Railway Board.
8. Member, Staff, Railway Board.

(i) Posts at 1 to 5 and 8 above are permanent.

(ii) Posts at 6 and 7 above are temporary.

(b) and (c). These are purely selection posts and there has been no change in policy

**टनकपुर में डाक तथा तार घर का भवन**

१०१. **श्री मोहन स्वरूप** : क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टनकपुर उत्तर प्रदेश में डाक तथा तार घर के भवन का निर्माण, जो कई वर्ष पूर्व आरम्भ किया गया था अब तक पूरा नहीं हुआ तथा अब यह काम बिल्कुल ठप पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) इस पर अनुमानतः क्या व्यय होगा और अब तक कितनी राशि व्यय की जा चुकी है; और

(घ) क्या यह सच है कि इस समय टनकपुर का डाक तथा तार घर जिस भवन में है वह बहुत टूटा फूटा है ।

**परिवहन तथा संचार मंत्री (श्री स० का० पाटिल)** : (क) और (ख). जी हां । इस भवन का निर्माण-कार्य केन्द्रीय सरकारी निर्माण विभाग के अधिकारियों ने मार्च, १९५५ में प्रारम्भ किया था । जब निर्माण का ४० प्रतिशत काम पूरा हो चुका था तथा भवन छत तक बन चुका था तो ठेकेदार और केन्द्रीय सरकारी निर्माण विभाग के अधिकारियों के बीच झगड़ा हो जाने के कारण इसका निर्माण कार्य बन्द हो गया था । कानूनी अड़चनों के कारण यह कार्य, अब तक फिर चालू नहीं किया जा सका है ।

(ग) क्रमशः ३८,८९२ एवं १६,८२० रुपये ।

(घ) किराये पर लिया हुआ वर्तमान भवन जिसमें आजकल टनकपुर डाक-घर है, सुरक्षित नहीं है । निर्माणाधीन विभागीय भवन के बन जाने तक इस डाक-घर को अन्य किसी अच्छे भवन में ले जाने के लिये आदेश जारी कर दिये गये हैं ।

**टनकपुर रेलवे स्टेशन पर जल संभरण**

१०२. **श्री मोहन स्वरूप** : क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि टनकपुर रेलवे स्टेशन पर जल संभरण बहुत अपर्याप्त है और इस कारण पूर्णागिरि के यात्रियों तथा अन्य यात्रियों को बहुत कठिनाई होती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि स्टेशन के समीप एक कुआं खोदने की योजना आरम्भ की गयी थी और एक ८–१० फुट गहरा कुआं खोदा गया था; और

(ग) यदि हां, तो इस योजना पर अनुमानतः कितना व्यय होगा, उस पर वस्तुतः कितनी राशि व्यय की जा चुकी है और कुयें को पूरा करने में देरी का क्या कारण है ?

**रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) :** (क) पानी की नियमित व्यवस्था यद्यपि काफी नही है, फिर भी मेले के दिनो में रेलवे की ओर से पानी का खास इन्तजाम किया जाता है ताकि जहां तक हो सके तीर्थयात्रियों या दूसरे मुसाफिरो को असुविधा न हो ।

(ख) और (ग). एक नल-कूप (Tube well) बनाने की मजूरी दी गयी थी और रेलवे ने उस पर काम शुरू किया था । रेलवे के पास जो उपस्कर (equipment) थे उनसे कई जगह नलकूप लगाने की कोशिश की गयी, लेकिन नीचे की जमीन पथरीली होने की वजह से सफलता नही मिली । अब नल-कूप लगाने के लिये विशेष उपस्कर का इन्तजाम करने का विचार है ।

नलकूप लगाने पर २७,६७६ रुपये की लागत का अनुमान है, जिसमें से अब तक ७,१०० रुपये खर्च हो चुके है ।

**रेलवे में विभागीय भोजन व्यवस्था**

**१०३. श्री मोहन स्वरूप :** क्या रेलवे मंत्री निम्नलिखित बातें दर्शाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखेंगे .

(क) सारे भारत में कितने ठेकेदारों के ठेके विभागीय भोजन व्यवस्था के अधीन समाप्त कर दिये गये और उनमें से कितने बेकार हैं और कितनों को काम दिया जा चुका है ; और

(ख) विभागीय व्यवस्था के लिये रेलवे प्रशासन को दिल्ली, बम्बई और मद्रास आदि जैसे बड़े जंकशन स्टेशनों पर कितने कर्मचारी रखने पड़ते हैं ?

**रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) :** (क) एक बयान रक्खी है [देखिये परिशिष्ट १, अनुबन्ध संख्या ५२]

(ख)

| जंकशन का नाम | नियुक्त कर्मचारियों की तादाद |
|---|---|
| वाल्टेर | १७ |
| बंगलूर सिटी | ३३ |
| मुगलसराय | ७८ |
| हावड़ा | १७० |
| सियालदह | ७७ |
| गोरखपुर | ८८ |
| बम्बई | ३१९ |
| पूना | १०४ |
| नागपुर | ८४ |
| झासी | ८० |
| बिलासपुर | २६ |
| कटक | ३४ |
| अजमेर ज० | ३१ |
| मेहसाना | ५० |
| रतलाम ज० | ५२ |
| गौहाटी | ३४ |
| दिल्ली | १५४ |
| नयी दिल्ली | ५८ |

नोट — मद्रास एग्मोर और मद्रास सेन्ट्रल स्टेशनो पर विभागी खान-पान व्यवस्था नही है । इन स्टेशनो पर खान-पान व्यवस्था ठेकेदारो के हाथ में है ।

**पूर्वोत्तर रेलवे में विभागीय भोजन व्यवस्था**

**१०४. श्री मोहन स्वरूप :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लखनऊ जंकशन (चारबाग) और सिटी स्टेशन (पूर्वोत्तर रेलवे ) पर विभागीय भोजन व्यवस्था आरम्भ कर दी गई है ;

(ख) यदि हां, तो इसका रेलवे के कितने ठेकेदारों पर प्रभाव पड़ा है ;

(ग) रेलवे के कितने ठेकेदारों के ठेके विभागीय भोजन व्यवस्था के अधीन बन्द